Notes

समायोजन - Adjustment

समायोजन शब्द वस्तुतः दो शब्दो - सम तथा आयोजन से मिलकर बना है समका तात्पर्य भली-भाँति अच्छी तरह से या समान रूप से होता है जबकि आयोजन का अर्थ अच्छी तरह से व्यवस्था करने से होता है अतएव समायोजन शब्द का अर्थ सुव्यवस्था करने या अच्छे ढंग से व्यवस्था करने से है समायोजन को समंजन, सामंजस्य, अनुकूलन या व्यवस्थापन भी कहा जाता है

गेट्स एवं अन्य विद्वानो के अनुसार "समायोजन" शब्द दो अर्थ है एक अर्थ में निरन्तर चलने वाली एक प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति स्वयं और पर्यावरण के बीच अधिक सामंजस्यपूर्ण सम्बन्ध रखने के लिए अपने व्यवहार में परिवर्तन कर देता है।

दूसरे अर्थ में समायोजन एक संतुलित दशा है जिस पर पहुँचने पर हम उस व्यक्ति को "सुसमायोजित" कहते है।

मनोवैज्ञानिको के द्वारा समायोजन के अर्थ को स्पष्ट करने के लिए कुछ परिभाषाओं को दिया गया है। जो निम्न है।

वोरिंग, लेंगफेल्ड तथा वेल्ड के अनुसार - "समायोजन कुछ प्रक्रिया है जिसके द्वारा प्राणी अपनी आवश्यकताओं एवं इन आवश्यकताओं की पूर्ति को प्रभावित करने वाली परिस्थितियों मे सन्तुलन बनाता है।"

Anoop

Notes  Mon Tue Wed Thu Fri Sat Sun

गेट्स तथा अन्यो के अनुसार— समायोजन निरन्तर चलने वाली वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति अपने व्यवहार में परिवर्तन करता है जिससे वह अपने तथा अपने वातावरण के बीच अधिक संतुलित सम्बन्ध बनाता है।"

जेम्स सी० कोलमैन के अनुसार— समायोजन व्यक्ति द्वारा तनावो से निपटने तथा अपनी आवश्यकताओ की पूर्ति के लिए किये गये प्रयासो का परिणाम है।"

नारमन एल० मन के अनुसार— समायोजन कोई स्थिर या ~~स्थिर~~ निश्चित वस्तु न होकर व्यक्ति की आवश्यकताओ की पूर्ति करने वाली एक सतत प्रक्रिया है तथा इसमें निःसन्देह मानव व्यवहार के सभी पक्ष सम्मिलित रहते हैं।

उपरोक्त परिभाषाओ से स्पष्ट हो जाता है कि समायोजन व्यक्ति के द्वारा अपनी परिस्थितियो व आवश्यकताओ के साथ अनुकूलन करने की प्रक्रिया का परिणाम होता है।

Anoop

Notes

Mon Tue Wed Thu Fri Sat Sun

## समायोजन की प्रक्रिया Process of Adjustment

समायोजन एक ऐसी प्रक्रिया है जो सभी प्राणियों के साथ अविच्छिन्न रूप से सम्बन्धित रहती है एवं जीवनपर्यन्त क्रियाशील रहती है समायोजन की प्रक्रिया में प्राणी अपने पर्यावरण को एवं पर्यावरण प्राणी को तरह-तरह से प्रभावित करते रहते हैं परन्तु ऐसा न कर पाने पर वह द्वितीय चरण में अपने को उस पर्यावरण के अनुरूप ढालने का प्रयास करता है परिस्थिति के अनुसार कभी-कभी इन दोनों पक्षों में कुछ-न परिवर्तन आता है एक दूसरे को प्रभावित करने की यह गत्यात्मक प्रक्रिया निरन्तर चलती रहती है

समायोजन की प्रक्रिया को चित्र के अवलोकन से समझा जा सकता है जो पिछले पृष्ठ पर है

Anoop

Notes

Mon Tue Wed Thu Fri Sat Sun

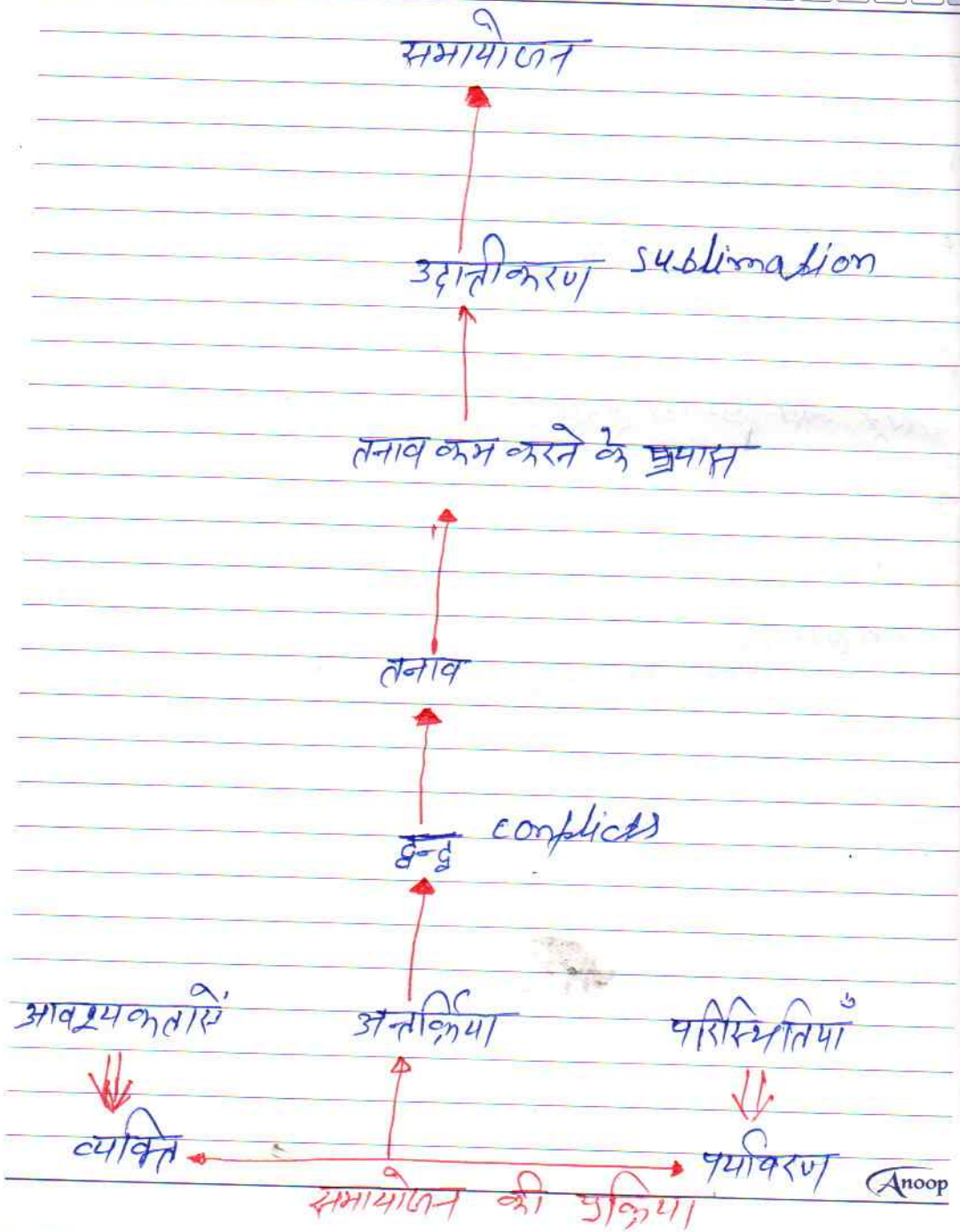


Anoop

Notes

Mon Tue Wed Thu Fri Sat Sun

समायोजन की उपरोक्त विशेषताओ के अवलोकन से स्पष्ट हो जाता है कि समायोजन एक ऐसी गत्यात्मक प्रक्रिया है जो व्यक्ति से जुड़े विभिन्न कारको जैसे- शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य पर्यावरणीय परिस्थितियाँ, भौतिक दशाओ, कार्य सम्बन्धित परिवेश, परिवार आदि से प्रभावित होता है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया